First Year Examination of the
Three -Year Degree Course, 2001

(Faculty of Arts)
PRAKRIT SAHITYA
Paper-II
(Prakrit Katha Evam Charit)

Time : 3 Hours
[Maximum Marks :100]

1. निम्नलिखित गद्याशों का सप्रसंग अनुवाद कीजिए: **12+12+12=36**

(क) उट्ठिऊण पभायसमए विहियगोदोहा कमघरसोहा गोचारणत्थं
गंतूण मज्झणहे उण गोदाहाई विम्मिय जणयस्य देवपूयाभोयणाइं
संपाडिऊण सयं च भुत्तूण पुणरवि गोणीओ चारिऊण संझाए
घरमागंतूण कयपायोसियकिच्चा खणमिगत्तं निद्दायुहं सा अणुहवइ।

अथवा

तओ अमच्चेण भणियं-'तुम' पायमवधारसु देवस्स पासे।'
सो वि य रायसमीवं गंतुण पिन्नसीयवयणो बाहरियं
वुत्तं, तो रण्णा सहत्थ दिन्नासणे उवविट्ठो, भूवदूणा वि
कालविलंबमसहमाणेण गंधव्व विवाहेण सा परिणीया ।पुविल्लयं
नामं परावत्तिऊण 'आराहसोहं' ति तीएनामं कयं।

(ख) भणियं च तीए-'कुमार! भट्टिदारियाएसंणं किंचि वत्तमत्थि
ता विवित्तमादिसउ कुमारो। तओ कुमारेणं पासाइं पलोइयाइं
विण्णवेइ जहा -'इच्छिओ मए तुमं किंतु जाव य मह कोई
समओ ण पुण्णें ताव य अहं वा किंचि वत्तव्वा किंतु मए
तुह परिगहे चंव चिट्ठियव्वंयति।' मए भणियं - 'एवं भवतु को दोसो8 ति।

अथवा

णिग्गंतूण अहं गओ णिययभवणं। अलक्खिओ चेव पविट्ठो
नियभवणं। जामसेसाए रमणीए पसुत्तो! उट्ठिओ य समुट्ठिए सूरिए।
कयमुचियकरविज्जं। समागओ य मंतिपुत्तां मह मित्तो मदूसागराहिहाणो। तस्स मए
समप्पिया किंकिणी।

(ग) तओ तेण भणिओ राया-'जहा,महाराय! विन्नतं वच्छामाउयाए
जमेयं पाहुउयं मए जारिसं मारिसं जणणीनेहेण पेसियं, अओं
पुत्तीए चंव भुत्तव्वं, नन्नस्स दायव्वं, जहाहं रायलोयमज्झो
न हसणिज्जा हांमि, त्ति मणेच्छणो न धरियव्ववो।

अथवा

अहं पि पत्तो जामसेसमेत्ताए रयणीए णिययभवणं । सुत्तो उट्ठिओ
यण य केणइ उवलक्खिओ। विउद्धो य पहाए। समागओ मदूसागरो।
समप्पियं तस्स णंउरं सिक्खविऊण लहुं चेव गओ अहं सह तेण
वयंसएणं कणगमतीभवणं।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com

2. निम्नांकित गाथाओं की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: **9+9=18**

तत्थ निबट्ठो वीरो कणयसरीरो समुद्दगंभीरो।
दाणाइचउपचारं कहेइ धम्मं परमरम्मं ।।

तित्थयरा य गणधरा चक्कधरा सबलवासुदेवा य।
अदूबलिणो वि न सक्का काउं आउस्स संधाणं।

अथवा दुल्लभणाम कुमारो सुकुमारो रम्मखवजियमारो।
तेसि सुओत्थि गुणमणिभंडारो बहुजणरधारो।।

जह वच्छो निअसुरभिं सुरभिं सुरभिं जहेव कलकण्ठो।
संजाओ संतुट्ठो हरिससमुल्लिसिअ रोमंचो।।

निम्नलिखित किन्हीं दो गाथाओं का सप्रसंग अनुवाद कीजिए। **9+9=18**

(क) तिय/चच्चरमाईसुं असहाओ भमइ नयरमज्झम्मि।
चित्ते अमरिसजुत्तो करिव्व जूहाउ परिभट्ठो।।

(ख) गुरुयण-गुरुविणम पपवन्नमाणसो समलजण-मणाणन्दो।
बावत्तरिं कलाओ गेण्हइ थेवेण कालेणं।।

(ग) का सि तुमं वरवाले ईसि पयडेसि कीस अपपाणं।
विज्जागहणासत्तं कीस ममं सुयणु खोभेसि।।

(घ) कलयायरिय-समीवं कलगहधत्थं समसगओ एत्थ।
पविसिस्सं जम्मि दिणे तए वि घेतुं गमिस्सामि।।

4. प्राकृत चरित साहित्य के किन्हीं तीन ग्रनथों का परिचय दीजिए। **14**

अथवा

प्राकृत कथा साहित्य पर संक्षिप्त प्रकाश डालिए।

5. अगडदत कथा को संक्षेप में लिखिए। **14**

अथवा

आरामसोहाकहा की विशेषताओं को लिखिए।

PDF created with FinePrint pdfFactory trial version http://www.fineprint.com